विवरण—II

वार्षिक योजना 1992–93 और 1993–94 के दौरान शाखा डाकघर और विभागीय उप डाकघर खोलने के लिए सर्किल-वार लक्ष्य :

क्रम सं०	सर्किल का नाम	1992–93		1993–94	
		शाखा डाकघर	विभागीय उप डाकघर	शाखा डाकघर	विभागीय उप डाकघर
1.	आंध्र प्रदेश	19	5	17	5
2.	असम	27	3	25	3
3.	बिहार	70	8	90	8
4.	दिल्ली	शून्य	5	शून्य	6
5.	गुजरात	25	5	20	8
6.	हरियाणा	10	3	10	5
7.	हिमाचल प्रदेश	15	1	15	2
8.	जम्मू और कश्मीर	5	1	5	1
9.	कर्नाटक	15	5	15	6
10.	केरल	10	3	20	3
11.	मध्य प्रदेश	55	5	35	5
12.	महाराष्ट्र	55	10	80	11
13.	उत्तर पूर्व	35	5	40	4
14.	उड़ीसा	40	5	35	4
15.	पंजाब	10	3	10	3
16.	राजस्थान	60	6	30	5
17.	तमिलनाडु	14	7	10	4
18.	उत्तर प्रदेश	75	10	93	12
19.	पश्चिम बंगाल	60	10	50	5
		600	100	600	100

Satellites available for Telecommunications

3396. SHRI V. HANUMANTHA RAO :

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) what is the total time available on the various satellites to India, for telecommunication, satellite-wise;

(b) what is the total foreign exchange spent annually on hired foreign satellites;

(c) what is the share of the indigeneous satellite in the total satellite time available for communication; and

(d) by when India is likely to be self sufficient in the field of satellite telecommunication ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM) : (a) Indian National Salellites INSAT-ID and INSAT-IIA are available full time for domestic telecommunication.

(b) At present no foriegn satellite is hired for domestic telecommunication purposes and hence no foreign exchange is incurred for hiring satellites for' domestic telecom, purposes.

(c) INSAT system is only used for domestic satellite communication.

(d) India is self-sufficient in the Md of satellite telecommunications and manufactures its own telecommunication satellite.

आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान टेलीफोन कनेक्शनों का प्रावधान

3397. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

श्री वीरेन जे० शाह :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 93 लाख नये टेलीफोन कनेक्शन मुहैया करने का लक्ष्य निर्धारित किया है,

(ख) यदि हां, तो इसमें से ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों, छोटे-छोटे शहरों तथा 5 लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों और महानगरों में क्रमश: कितने-कितने प्रतिशत नये कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है,

(ग) क्या टेलीफोन कनेक्शनों के लिए कोई समयबद्ध कार्यक्रम बनाया गया है, और

(घ) यदि हां, तो आठवीं पंवर्षीय योजना अवधि के दौरान, प्रतिवर्ष क्षेत्र-वार कितने-कितने टेलीफोन मुहैया कराये जाने का विचार है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जी नहीं, दूरसंचार विभाग के आठवीं पंचवर्षीय योजना कार्यक्रम में इस योजना अवधि के दौरान 75 लाख नए टेलीफोन कनेक्शन लगाना और 93 लाख निवल स्विचन क्षमता की वृद्धि करना शामिल है ।

(ख) से (घ) : ग्रामीण क्षेत्र में 13 लाख निवल स्विचन क्षमता की वृद्धि करने का प्रस्ताव है, जिससे इस क्षेत्र में मांग होने पर व्यावहारिक रूप से टेलीफोन कनेक्शन प्रदान किए जा सकेंगे और इस योजना अवधि के दौरान सभी पंचायत गांवों और 1.5 लाख अतिरिक्त गांवों में सार्वजनिक टेलीफोन लगाए जा सकेंगे । कस्बों, छोटे शहरों और महानगरों आदि में नए टेलीफोन कनेक्शन लगाने के लक्ष्य मांग और संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करते हुए साल दर साल आधार पर निर्धारित किये जाते हैं ।

Production of Hindustan Teleprinters Limited

3398. SHRI MOHINDAR SINGH KALYAN :
DR.. SHRIKANT RAM CHANDRA JICHKAR :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) what is the total production of the Hindustan Teleprinters Limited as on the 1st March, 1993;

(b) whether the HTL is in profit or loss;

(c) whether due to the development of modern technology in this field like FAX Falimile etc. the teleprinter business has suffered: and

(d) what is the demand for teleprinters presently in India ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM) : (a) Production of